

Publication	The Times of India	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	TNN
Date	02/04/2025	Page no	12
CCM	16.62		

In a boost to co-ops, Parl passes Tribhuvan bill

In a boost to co-ops, Parl passes Tribhuvan bill

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Parliament on Tuesday passed the bill to set up the Tribhuvan Sahkari University in Gujarat's Anand with an aim to create qualified human resources for co-operative societies.

The bill seeks to establish the Institute of Rural Management Anand as a university to be known as the Trib-

huvan Sahkari University and to declare it as an institution of national importance.

The Tribhuvan Sahkari University Bill, passed by Lok Sabha on March 26, was approved by Rajya Sabha on Tuesday. Replying to a discussion on the bill, minister of state for cooperation Murlidhar Mohol said this is the country's first university dedicated to the cooperative

sector. This university will be given the status of an institute of national importance and will have a capacity to train 8 lakh people every year, he added.

Stating that an estimated 17 lakh trained professionals would be required in the co-operative sector over the next five years, Mohol said that this university will help in fulfilling this need.

Publication	The Indian Express	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	02/04/2025	Page no	7
CCM	46.35		

Tribhuvandas was from Cong, Put BJP respects his work, contribution: MoS

RS CLEARS TRIBHUVAN SAHKARI VARSITY BILL

Tribhuvandas was from Cong, but BJP respects his work, contribution: MoS

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, APRIL 1

WITH RAJYA Sabha passing the Tribhuvan Sahkari University Bill Tuesday by voice vote, MoS for Cooperation Murlidhar Mohol said though Tribhuvandas Kishibhai Patel, considered the "father of the cooperative movement" in the country, was from Congress, his work and contributions are being respected in naming the proposed University after him.

Opposition members alleged that Dr Verghese Kurien, known as the 'Father of the White Revolution' in India, was "completely sidelined".

The Bill, passed in the Lok Sabha last week, paves the way for the establishment of the Tribhuvan Sahkari University on the campus of the Institute of Rural Management Anand (IRMA) in Gujarat, to impart training in the cooperative sector. IRMA was founded by Dr Kurien in 1979.

TMC's Sagarika Ghose said that Kurien "built and nurtured IRMA" and his "legacy shaped Amul and the milk revolution in India." "Why is the government reluctant to honour the giant who founded IRMA in 1979? Why is Dr Kurien's name missing from this University...because he never became part of the BJP ecosystem?" she said, adding that Kurien's name must find a place in the proposed university.

Alleging that Kurien had been "neglected by this government"

and was "completely sidelined," CPI(M)'s V Sivadasan said that the university should be named the 'Tribhuvan Kurien University'.

Though Congress members raised other issues regarding the Bill, Congress MP Digvijaya Singh, however, said "We approve the setting up of the university, and also approve of the fact that you are naming it after a Congress leader, Tribhuvandas Patel. But you could have set up a university without involving IRMA at all. You can make a co-operative university separately."

Responding to the discussion, Mohol said: "Why was it named after Tribhuvandas ji? Sardar Vallabhbhai Patel or Tribhuvandas Patel... if they have made important contributions to society, we respect them... Tribhuvandas ji was of the Congress. But we are respecting his work and his contribution, and this should be accepted."

"In the cooperative sector, Tribhuvandas ji took inspiration from Gandhi ji and Sardar Patel ji, and under his leadership, there was a revolution in dairy sector. There are no two opinions that Kurien ji had a big role to play in the cooperative sector. Members were saying that Kurien was not of the BJP, so his name was not given. Anybody who does important work... the BJP has a tradition of respecting their work, but one person's name will be given, and the person whose contribution was the biggest in this sector... we have given Tribhuvandas ji's name," Mohol said.

Parliament passes Bill to set up university for cooperation

Parliament passes Bill to set up university for cooperation

The Rajya Sabha on Tuesday passed the Tribhuvan Sahkari University Bill to establish the first national university for cooperation, converting the Institute of Rural Management, Anand, Gujarat (IRMA), into a Central University. Replying to the debate on the Bill, Minister of State for Cooperation Murlidhar Mohol said the Bill will ensure that adequately trained professionals will be available in the sector in the coming years. The Bill is named after Tribhuvan Das Patel, one of the founders of the Gujarat Co-operative Milk Marketing Federation (GCMMF), which is known as Amul. The Lok Sabha passed the Bill on March 26.

Rural economy will be strengthened, self-employment will increase

ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सशक्त, स्वरोजगार बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद ने मंगलवार को सहकारिता क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए देश के पहले सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रावधान वाले एक विधेयक को मंजूरी दे दी। इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया जाएगा। राज्यसभा ने इन प्रावधानों वाले त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक 2025 को पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य

■ त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 को मंजूरी

मंत्री मुरलीधर मोहोले ने कहा कि केंद्र सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय बनाया। इस विश्वविद्यालय से पूरे देश को नया सहकारी नेतृत्व प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित होने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, स्वरोजगार बढ़ेगा, छोटे उद्योगों का विकास होगा।

Publication	Navbharat Times	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	02/04/2025	Page no	13
CCM	11.58		

Tribhuvan Cooperative University Bill also passed by Rajya Sabha

त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी बिल राज्यसभा से भी पास

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** मंगलवार को राज्यसभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी बिल-2025 को मंजूरी मिल गई। लोकसभा में पारित हो चुके इस बिल को लेकर सरकार का कहना है सहकारी समितियों के लिए योग्य जनशक्ति तैयार करने के मकसद से गुजरात के आणंद में 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय' बनाने के लिए इस बिल को लाया गया है। सरकार का तर्क है कि यह विश्वविद्यालय सहकारी समितियों में शिक्षा, ट्रेनिंग और रिसर्च को बढ़ावा देगा।

हालांकि, इस दौरान मंगलवार को इसे लेकर हुई बहस में विपक्षी सांसदों ने इसके नाम में श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज कुरियन के नाम को शामिल किए जाने की मांग की। सीपीएम सांसद वी शिवदासन ने कहा कि राइट विंग केरल में प्राइवेट बैंकों के लिए जगह बनाने के लिए सहकारी बैंकों के खिलाफ नेगेटिव प्रोपेगेंडा खड़ा कर रही है।

Minister Indraj conducted a surprise inspection of the office of Registrar Cooperative Societies

मंत्री इंद्राज ने रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटीज के कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को संसद मार्ग स्थित रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटीज के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अभिलेखों की जांच करते हुए सहकारी समितियों के पंजीकरण और लंबित मामलों की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री इन्द्राज ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता के आदेश हैं कि पेंडिंग आवेदनों का निस्तारण तय समय सीमा में हो। आवेदकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, प्रक्रिया को डिजिटल करें। मंत्री इन्द्राज ने अधिकारियों से आवेदनों के निस्तारण से सम्बन्धित जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि सभी अधिकारी समय से कार्यालय पहुंचें और आवेदकों को निस्तारण प्रक्रिया की पूरी जानकारी उपलब्ध हो। आवेदकों के लिए कैंपस में मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध हों। वहीं रविन्द्र इन्द्राज ने परिसर में लगाने वाली शहीद भगत सिंह की भव्य प्रतिमा की भी जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि 'विकसित दिल्ली' संकल्प की दिशा में प्रदेश सरकार स्व सहायता समूह की बहनों को अपने उत्पाद हाउसिंग सोसायटीज में बेचने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करने जा रही है।

Publication	Dainik Jagran (Rashtriya)	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	02/04/2025	Page no	3
CCM	20.54		

Parliament approves bill to establish first cooperative university

पहले सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक को संसद की मंजूरी

नई दिल्ली, प्रेटर : संसद ने देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक को मंजूरी दे दी है। गुजरात के आणंद में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय स्थापित करने संबंधी विधेयक को राज्यसभा ने मंगलवार को ध्वनिमत से पारित किया। यह विधेयक लोकसभा से 26 मार्च को पारित हो चुका है। विश्वविद्यालय का नाम त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जो भारत में सहकारी आंदोलन के अग्रदूतों में से एक थे और अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोले ने राज्यसभा में कहा कि यह सहकारी क्षेत्र के लिए पहला विश्वविद्यालय होगा और इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमबल के क्षमता निर्माण तथा कुशल पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करेगा।

“त्रिभुवन” सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण देना, क्षमता निर्माण करना, डिग्री कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम वाले उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना और प्रतिवर्ष लगभग आठ लाख प्रशिक्षित प्रोफेशनल तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्थितियों को बेहतर करने में जुटी हुई है।
